खुल व दे खाटू वाला

खुल व दे खाटू वाला मेरी साठ करोड़ की लौटरी खुलवादे खाटू वाला,

आसाम हो या हरयाणा गुजरात हो या लुधियाना,
चाहे कोई भी खुलवाए खुलवा दे खाटू वाला,
खुल व दे खाटू वाला....

सूंदर सा एक बंगला हो बंगले से लगा जँगला हो,
ओ जी मेरे नौकर चले साथ खुलवादे खाटूवाला,
खुल व दे खाटू वाला.....

मेरे गले में चैन पड़ी हो दरवाजे कार खड़ी हो,
हीरे की अंगूठी हाथ खुल व दे खाटू वाला,
खुल व दे खाटू वाला...

जग रकम मने मिल जाऊ ली महारे मन की कली खिल जोगी,
अरे बाबू लाल जपे तेरा नाम खुलवदे खाटूवाला,
खुल व दे खाटू वाला

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/5566/title/khul-va-de-khatu-vala-meri-satth-karod-ki-lautari-khulwade-khatu-vala-

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |